biscuits, cooking oils, medicines, tents, tarpaulins, clothes and blankets

डा० सकटा प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, उड़ीसा में इस साइक्लोन से जनधन की बहुत हानि हुई है मैं जानना चाहता हूं इस सम्बन्ध में सरकार कौन कौन से कदम उठा रही है जिनसे ऐसी साइक्लोनिक घटनाओं का मुकाबला मजबूती से किया जा सके ?

MR SPEAKER : The main question relates to whether any assistance from foreign countries and other sources has been received, and the hon Member is covering himself under the phrase 'other sources'.

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN : This is certainly a general question which normally would require constant study I think these steps are being considered

भारत पाक युद्ध के दौरान शहीद हुए जवानो की स्मृति से प्रतिमा स्थापना तथा स्मारक ग्रंथ का प्रकाशन

*917. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में भारत-पाक युद्ध के दौरान हुए जवानों की स्मृति में प्रतिमाएं स्थापित की जाने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है, और

(ख) क्या जवानों के शौर्यपूर्ण कार्यों के प्रचार हेतु एक स्मारक ग्रंथ प्रकाशित करने की भी कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ?

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) हाल ही में भारत-पाक युद्ध के दौरान शहीद हुए जवानों की स्मृति में प्रतिमाएं स्थापित करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है। लेकिन अमर ज्योति नाम से एक अस्थायी युद्ध स्मारक इण्डिया गेट के मेहराब के नीचे बनाया गया है। स्वतन्त्रता के पश्चात युद्ध में वीर गति प्राप्त किये सभी सैनिकों के लिए दिल्ली में एक स्थायी युद्ध स्मारक (अमर जवान) बनाने का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(ख) सरकार के पत्रकारों, प्रसारकों और प्रकाशकों को पिछले युद्ध पर जवानों के वीरतापूर्वक कार्यों का उल्लेख करते हुए पुस्तकें अथवा पत्रिकाएं प्रकाशित करने के लिए उपयुक्त सुविधाएं दी हैं।

श्री शंकर दयाल सिंह : अध्यक्ष जी, किसी देश का इतिहास उस की प्रेरणा का स्रोत होता है और इतिहास केवल स्तिथियों का नहीं हो कर बल्कि उन व्यक्तियों का होता है जो इतिहास के साथ-साथ अपने को न्योछावर कर देते हैं। क्या मैं मंत्री जी से जान सकता हूं कि 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही आखिर निशां होगा", इस के लिये क्या सरकार पुनः विचार करेगी कि ऐसे वीरों, शहीदों की प्रतिमायें जहां तहां स्थापित की जायें ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, स्मारक को क्या रूप दिया जाय केवल इस का सवाल है। स्मारक बनाने के बारे में कोई किसी प्रकार का भेद नहीं है। उस की प्रतिमाओं के रूप में रखा जाय या कोई दूसरा स्मारक दूसरे ढंग से बनाया जाय, सवाल यह है। और हमारा इरादा है कि बहुत से जो हमारे देश के कलाकार हैं, आर्किटेक्ट्स हैं, और जो इस तरह के कामों में रुचि रखते हैं, उन सब से या तो कोई प्रतियोगिता आयोजित कर के कुछ इस ढंग

से इस के लिये उपयुक्त साधन ढूंढे और इस तरह के स्मारक की योजना बनाये जिस से सब से अधिक और सब से भावनात्मक ढंग से हमारे जवानों की वीरता और शौर्य का प्रतीक यहां पर स्थापित हो सके। और इसलिये इस के बारे में जैसा मैंने कहा इस की योजना हम बना कर उसको शीघ्र से शीघ्र लागू करने जा रहे है।

श्री शंकर दयाल सिंह: मैं जिस स्मारिका ग्रन्थ की बात कर रहा हू, मेरा उद्देश्य यह पूछने और जानने का है कि क्या पाठ्यग्रन्थो मे उन की जो वीरतापूर्ण उपलब्धिया है उन का उल्लेख हो सकेगा जिस से कि विद्यार्थी भी उस से लाभान्वित हो सके ?

श्री विद्याचरण शुक्ल: जी हाँ, अध्यक्ष महोदय, अवश्य हो सकेगा, और बहुत गौरवशाली ढंग से होना चाहिये, और हम सब उस को प्रोत्साहन देगे।

अध्यक्ष महोदय: स्टेचूज के बारे मे आप ने सवाल पूछा है, यह ग्रन्थ के बारे मे तो नहीं पूछा है।

श्री शंकर दयाल सिंह प्रश्न के (ख) भाग में है, मान्यवर।

अध्यक्ष महोदय: ठीक है।

SHRI SAMAR GUHA: The last conflict with Pakistan known as Indo-Pak war is also known on the eastern side as the war for liberation of Bangladesh. It was won jointly by the Mukti Bahini and our heroic jawans and the peoples of Bangladesh in India. Does the Defence Ministry contemplate to have written a good history of the liberation of Bangla-Desh ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA: Whether a history of this kind should be written by the Defence Ministry officially or not—that is a question that can be considered. The hon. Member has given the suggestion, this could be taken into account.

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: There is a village in my constituency named Manerajuri, which has a good tradition of sending men to the Armed Forces. Last year Sepoy Pandurang Salunkhe from that village was posthumously awarded *mahavirchakra*.

MR. SPEAKER: There are a number of villages near my place also.

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: Many people from that village want to erect a statute to commemorate him. Would the Government give that village financial assistance ?

MR. SPEAKER: This is a general question; you can not ask about one village alone.

SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE: Would assistance be given in monetary form for the erection of such statutes in different parts of the country ?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA: Villages which send out such heroic people are heroic villages. I do not know that to commemorate their heroic sons they would ask for assistance from other persons. I suppose they would be able to and willing to do it themselves.

श्री जगन्नाथ राव जोशी: अध्यक्ष महोदय, वीरगति प्राप्त जवानों की स्मृति मे जो अमर ज्योति जल रही है वह कब तक जलने वाली है, कुछ पता नही, उस का यह जवाब दें, और उसके बगल में ही जो विदेशी अंग्रेज की एक प्रतिमा थी उस को हटाने के बाद वह कैनोपी बिल्कुल खाली स्थान पर खड़ी है, तो उस में जवानों की स्मृति के लिये एक ठीक तथा योग्य उचित

स्मारक एक प्रतिमा के रूप में बैठाने का विचार सरकार का है ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : मैं तो कह चुका हूं कि जो अभी इंडिया गेट की मेहराब के नीचे युद्ध स्मारक बना है वह अस्थायी रूप से वहां रखा गया है। स्थायी स्मारक एक उचित स्थान पर बनाने का प्रश्न विचाराधीन है।

दूसरा प्रश्न जो माननीय सदस्य ने किया कि इंडिया गेट के पास जो कैनोपी है, जहां पर पहले किंग जॉर्ज की मूर्ति थी, वहां पर कुछ बनाया जाय, उस के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ। एक कमेटी है जिस में बहुत से माननीय सदस्य इस सदन के भी हैं, उस कमेटी के द्वारा इस बात की सिफारिश की जाने वाली है। उस के बाद इसका निर्णय किया जायगा।

जहां तक युद्ध स्मारक का सवाल है इस के लिये एक दूसरे स्थान पर विचार किया जा रहा है। और जिस स्थान की तरफ माननीय सदस्य ने इंगित किया है उस स्थान के बारे में विचार नहीं किया जा रहा है।

श्री फूलचन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि जिस प्रकार दिल्ली के अन्दर इंडिया गेट पर जवान ज्योति युद्ध में शहीद हुए जवानों की स्मृति में जल रही है, क्या इसी प्रकार अन्य स्मारक या ज्योति के सम्बन्ध में आप ने राज्यों को भी निर्देश दिये हैं, या आप के पास राज्यों से इस प्रकार की मांग आयी है कि जवानों की स्मृति में जवान स्तम्भ या कुछ ऐसी स्थायी चीजें निर्मित करना चाहते हैं जिस से जन-साधारण प्रेरणा ले सकें ?

श्री विद्याचरण शुक्ल : अध्यक्ष महोदय, मैंने बताया है कि इस तरह के स्मारक अपने देश के विभिन्न भागों में बन रहे हैं और वहां के स्थानीय लोगों ने अपने प्रयास से ही बनाये हैं। मांग यदि आयी है तो इस तरह से आयी है कि पाकिस्तान के कुछ टैंक या दूसरी इस तरह की चीजें, जिन पर हम ने कब्जा किया है, उस को हम वहां दें जो वहां रखी जा सकें। और दूसरी तरह की भी यदि कोई मांग आती है तो हम उस के ऊपर अखिल भारतीय तौर पर विचार करते हैं और उस के ऊपर निर्णय लेते हैं। अभी तक हम ने यह नीति बनायी है कि वह स्थानीय उत्साह से और स्थानीय प्रयत्नों से ही इस तरह के स्मारकों का निर्माण होना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : आप से एक बात करूं जो सिपाही खड़े होते हैं उन को बड़ा इरेक्ट खड़ा होना चाहिये। आपस में गप्पे हांकते देखा है मैंने।

Until we are able to erect a regular memorial, they should be specially instructed.

बातचीत करते हैं आपस में, हंसी और गप्पे मारते हैं। उन को जरूर हिदायत कीजिये। The must keep the serenity of the atmosphere.

Admission of Girls in Sainik School

*920. SHRI KRISHNA CHANDRA PANDEY : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether no provision has been made in any Sainik School for admission of girls; and

(b) if so, whether Government propose to make suitable provision in this regard ?

THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE